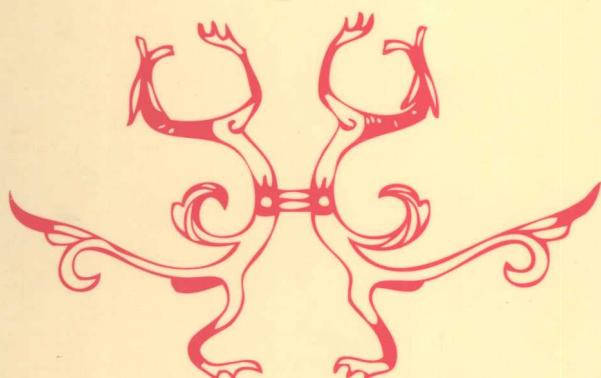




# 周易三极图贯

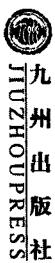
(清)冯道立著 谭德贵等 点校



九州出版社  
JIUZHOU PRESS

# 周易三极图说

■清·冯道立著 谭德贵等点校



九洲出版社  
JIUZHOU PRESS

## 图书在版编目 (CIP) 数据

周易三极图贯 / (清) 冯道立著；谭德贵等点校. —北京：九州出版社，  
2008. 6

(九州易学丛刊)

ISBN 978-7-80195-879-2

I. 周… II. ①冯… ②谭… III. ①周易—研究 ②八卦—研究 IV. B221.5

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2008) 第 074942 号

## 周易三极图贯

---

作 者 冯道立 著 谭德贵等 点校

出版发行 九州出版社

出版人 徐尚定

地 址 北京市西城区阜外大街甲 35 号 (100037)

发行电话 (010) 68992190 / 2 / 3 / 5 / 6

网 址 www.jiuzhoupress.com

电子信箱 jiuzhoupress@vip.sina.com

印 刷 九洲财鑫印刷有限公司

开 本 720×1050 毫米 1/16 开

印 张 26.75

字 数 490 千字

版 次 2008 年 6 月第 1 版

印 次 2008 年 6 月第 1 次印刷

书 号 ISBN 978-7-80195-879-2 / B · 242

定 价 53.00 元

---

## 凡例

一、《易经》本因图象作，故是书亦仿其义，绘成三百三十余图。由周秦迄今，与鄙意见及者，不拘一格，汇订成编。以《易》理原贯万象，学者不可株守一辙。

二、《易》更四圣人手，均足阐苞符之蕴，而言太极者惟孔子。故是篇所引皆以孔子为主，而贯众说于中。庶立言有本，不致散漫无归。

三、伏羲作《易》，始于——。——与一同，一即孔子所言太极与一贯之道，不独周子圆图是从此规而环之。即两仪四象与图书生成等数，亦由此起。篇中以之作首图，从其初也。

四、太极生两仪，本有次序，若只从单拆画起，而不根于——，是有两仪无太极，非孔子“《易》有太极”之意。至四象所包甚广，或主老少阴阳，或主天地日月，而理则无异。故篇中始而分言，继则归并一说。

五、横图为太极，是孔子一贯之理，与邵子生卦法。若化横为圆，又是周子象。形意二者本相贯，观初三日之月似单，至十五即成圆，便是天与地实象。篇中太极两仪等图，皆横圆相间，阅者可类推。

六、太极是浑言，其中又有天地人之别。首言道之大原出于天，为天心太极；次言地承天与两间阴阳消长理，为天地共有之太极；末言尽人合天学，为人心各具之太极。三极会合，仍归于“《易》有太极”之——。——即作一。惟其为一，所以能贯，故是集以《三极图贯》名篇。

七、《易》有三极，是遵孔子分六爻之言。六爻统六十四卦，以“上、中、下”分“天、地、人”三极。兹集以全部统六十四卦，故亦以“首、中、终”分“天、地、人”三极。盖“《易》有太极”之言是理一，三极之道是分殊，总归一贯。

八、三极理无不贯，而法象莫大于天地。天地虽分，然地包天中，天之太极，即地之太极。故人极可单言，地极则贯于天极内。兹集先言天为一极，次即天地并言，为二极。盖天地体如太极之圆，天地不二，即太极之一。以后凡言天者，或单指天，或兼包地，皆一理。

九、天地人虽分三极，然言天处甚详，言地处甚略，以地极藏于天极中，故图不单绘。至“人极”，则又兼天地言。盖天地之道不外乎人，人之道亦不外乎

天地，总名曰“贯”。

十、天地为太极，地之太极统于天，天之太极又统于北辰。北辰即北极，居天心，名太一，一名北极。北极之极，即太极之极。汉人曾有此说，但只存名目，未经详解。今借孔子所言，北辰与一貫之理，统貫全经，又于北辰之“一”，寻出一“中”字；于日月星辰，昏中昼夜，寻出一“时”字，“时”、“中”二字，乃天心主宰，亦孔子赞《易》与平日所言，人能解此二字，便是以人极貫天地二极。是集合图皆与此有关合，不遍注。

十一、天与人皆以心做主，天心在北辰，以其有“时”、“中”理；人以北辰心为心，亦以其有“时”、“中”理。集中“貫”字，乃教人正心之学，亦理数会归之道。

十二、太极无形，北辰是天，无星处亦无形，无形是无极。无形而能垂象以示人，即“无极而太极”。特恐人泥于形迹中，则未免流于术数耳。兹特分门别类，逐一指明。则在天成象，即是一部《易经》矣。

十三、天文度数，悉遵新法，庶几岁差有准。至于言星则半出地上，言月则兼分南北，其余如考时验中，斗柄指仁等说，皆是发古人之奥，而其要紧，尤在“日月为易”一图。盖“日月为易”，本《参同契》语，陆氏秉又以篆文配，可见“易有太极”合乎天地，而日月又天地精华，两仪四象与三极之道俱贯于中，非徒取三十日为一月之义也。

十四、《易》与天地准，天地枢纽为北辰，天地精华为北斗，天地纲领为日月，天地功用为五行，天下无一事不在五行内，即无一事不在天地内。兹集由天地日月叙至五行，正三才立极根本，亦朱子阴阳五行化生万物之意。凡内圣外王之学，皆从此做出，观篇中所列天备五常与人事各图可见。

十五、纳甲生卦法，京君明、魏伯阳、虞仲翔等俱主其说，亦仰观俯察之义。但月有九道，若不分别言，则甲、乙、庚、辛等方，便不甚合。且其论专主太阴，一似未得主宰。今以月在北方近极为主，又以望前阳光主日，望后阴生主月。盖月本无光，必借日为光，以日为主，不得扶阳抑阴有合。作《易》之旨，亦盈虚消息，其象本作如斯观耳。

十六、河洛两图，周、邵、程、朱诸贤，无不各有发明。只龙马神龟之说，颇有疑其伪者。兹以图书之理总归于天，而又以天一之一为有合于太极之一，以洛书“履一”改为“戴一”，则图书与太极皆一貫。

十七、周子《太极图》叙五行，与河图方位不同，然由天地说到人，亦是三极一貫处，集中特为标出。

十八、《易》中不言干支，然大挠作甲子，实与《易》理相表里。盖干属

天，支属地，天地不离五行，干支亦不离五行。集中“兑当言金”一图，可补羲经之缺。

十九、河图两仪为画卦之原，向来亦只绘成两画，用加一倍法，将八卦硬装上去，即胡玉斋“河图作《易》”说，亦非定解，故阅者疑之。近日江氏永著《河洛精蕴》，以中宫五十相减起例，颇的当。兹由五十五点中，分阴阳老少各布于四方，然后用“一六共宗”等义，照数再加奇偶，亦可备一说。

二十、汉宋诸家，纷纷聚讼。信汉者，或疑宋为空虚；信宋者，或指汉为学术。甚至汉宋俱不信，而别开一说以立异，此皆好奇之故耳。兹集以“天、地、人”做主，将一切爻象绘成总图，而皆贯以北辰为太极，正理数兼该之义，阅者不得以此集首言天地，为近于术艺者流。

二一、先天八卦，近人颇生疑见，然证诸太极两仪并次序，合周天各图，均为的实，阅者当无用异说。

二二、后天八卦，向来皆云从先天方位变易而来，兹由张氏惠言“太极”“阴阳”等说细按之，而以乾元生四阳卦，复由四阳卦生四阴卦，其方位正合后天。可见先后天两图各有精义，可合参亦可分见。

二三、纳甲向无六十四卦全图，至后天六十四卦，来瞿唐、江慎修始绘成象，然皆与“帝出乎震”等语不合。兹仿京房分宫义，绘成纳甲六十四卦；又仿先天加倍法，以震、巽、离、坤、兑、乾、坎、艮为次，各加八卦成后天全图，亦《易》中剩说。

二四、《易》中错综交互，与升降消息，《太玄》、《潜虚》等法，变化莫测，皆以“时”、“中”理贯之，“时”、“中”既合，即太极之理亦合。集中所引各说，与鄙意见及者，均足证殊途同归。

二五、迎日推策，以策数推衍日月，其法始于黄帝。后世唐僧一行，即以“大衍”名历，图中所载，不尽遵其法，然大略可类推。外此如六日七分，七十二候、爻辰、卦气、《龙图》、《洞极》等周，凡有合于“时”、“中”字俱太极理所贯。是集以此二字包括众说，所以化术学为义理，学者当善会。

二六、术数之学，原不足重，但《易经》无不兼该。盖“贯”字，亦统上下古今言。兹集由天说到人，是上下贯；由周秦论及于今，是古今贯，皆不外会极归极之理。

二七、《易》自朱子《本义》既作解，《易》家莫不奉为圭臬。然考李鼎祚《集解》与《四库全书》所选，不下百数十家，其议论皆与“太极”、“时”、“中”合。兹遵《御纂周易折中》与《周易述义》，略为补入，以见古人著书均一理所贯。

二八、“乘、承、比、应”，以及“君、臣、上、下”、“贞、悔、中、正”等例，乃《易》中定则，《彖》、《象》、《文言》皆以此判吉凶，集中逐一道出。

二九、《易》卦以乾为首，乾即天也。天包乎地，乾即有坤。集内天尊地卑，并乾包众卦等图，皆为三极主。其次则坎、离，坎为水主月，离为火主日。天地水火，即乾、坤、坎、离。《易》中以此包括全经，图中亦以此贯穿万象。

三十、八卦配五行，只离卦单属火，图中“天无二日”一语，实有关名教。至“帝出乎震”，震为雷，乃太极神，先后天诸卦方位皆有变易，独震只在东方，是天地正气从此生起。前人皆以怒气言，似欠分晓，兹特另为剖析。

三一、《易》道无所不贯，而参天两地，数学尤其本义，故书中勾股开方与图书加减等法，皆从一生。一即是一，所以见一画开天，物物共有一太极。

三二、世应飞伏，盛于汉代，原非《左传》起课例。但古法久湮，只散见于胡双湖、惠松崖、薛悟村等书，亦仅言其大略，近世用者多宗房学。兹集既为有用书，则当世所尚，自应采入，亦太极之理无不贯。

三三、天人合一，本三才各一太极之理，然惟仲尼能当。故末集以仲尼譬天地为人极，欲人知“时”、“中”一贯之圣厥，惟仲尼然，则仲尼真“人中太极”矣。

三四、《易》本见道书，集中论人事甚详。如吾道一以贯，日月配诚明，以及天根、月窟、兵、刑、礼、乐等图，皆有关格致诚正，与修齐治平之道。故末集以《大学》八条目为言，见尽人合天，“时”、“中”二字，非虚空无著。

三五、一部《易经》，盈虚消长，皆有定则。图中所绘，如剥、丰、临三卦消息，以及各图阴阳始终，均是进退存亡，随时处“中”之理，尽人道者当参之。

三六、全部《易经》，其象通于天地，其理实具于人心。故首集有“天心即人心图”，末集提出一“心”字象太极，而以复、坎两卦为“道心惟微，人心惟危”。又“人为天地心”一图，以仁义礼智信为中心主，正三极一贯处，可见天是一部《易经》，人又是一部《易经》也。

三七、五运六气，本诸《内经》，是天地大道理，与《易》学“时”字有关会，故集中亦载，并非旁参异说。

三八、泰卦上阴下阳，亦只空言其理，似与天尊地卑一语，不甚浹洽，兹以人身脏腑阴阳上下配之，乃觉显而有据。又图中所载冲、督、任脉与卦爻应经络等说，均仿《说卦》乾首坤腹例，亦气以成形，理亦赋焉之意。

三九、心字是天地人主宰，但释教言空，道教言无，便非心正道。若儒教言心，则主于诚，诚即无妄。故《中庸》注诚字，为真实无妄。末集言正心，亦以

诚意为先，不独三教有分别，即“时”、“中”二字，亦有着落。是集八卷，皆作如斯观。

四十、《彖传》“君子”“小人”皆分说，否、泰二卦独并言，可见倾否保泰全赖乎人。圣人作《传》，所关于世道不小。

四一、吉、凶、悔、吝，《易》中各有精义，学者不察，每专以穷、通、得、丧混之，不知吉即善也。凶、悔、吝即恶也。《易》中言吉言凶，欲人知惠则为善，逆则为恶，穷通得丧不与焉，篇中特为剖析。

四二、《易》与群书通，集中如《易》卦合《大学》，《易》含《中庸》理，**大壮**合《孟子》等图，皆以见《易》为孔门传道书，本与各经相贯，通阅者会参可。

四三、此书皆系《易》中纲领，至逐卦爻辞，另有《爻辰》贯二卷附后，集隘不及琐陈。

四四、书中有出自鄙意绘成新图者，有出自旧图者，有将前人议论绘图者。其出自鄙意者，则于目录上用○○，复于题目下写新图二字以明之。其将前人议论绘图者，则于目录上用○，复于题目下写依旧说绘图以别之。或用○○，写借旧图参新解以分之。若夫前人旧图，如河洛、纳甲、卦气、爻辰，以交错综变化等类，虽是已注明人名，然亦必自出新机，俾有合于“太极”、“时”、“中”与“一貫”三才之理。不敢徒录成文，致蹈抄胥之弊。

四五、集中议论，间有与古人同者，如北辰为太极，日月篆文成易字，闰年合爻数，**大壮**合《孟子》等说，不下數十余条，皆已将鄙意改作古意，其中仍有见闻，未及暗合古人者，尚多，并非抄袭，阅者谅之。

四六、集中文辞浅近，只求义理明畅，不计工拙，以言理之文，毋取过为艰深，正《系辞》“乾以易知，坤以简能”之意。

四七、《乾·三》云“君子”，《坤·三》云“有终”，《谦·三》则云“君子有终”，谦卦兼乾、坤之义，即是人心合天地之心。集中以此居末，正三极一貫处。人其以孔子言为主，慎勿始勤终怠、骄傲自居可。

# 周易三极图贯

## 目 录

〇〇一

|                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
|----------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|--|--|--|--|
| 凡例                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 序一                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 序二                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 序三                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 序四                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 序五                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 自序                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 卷一 元集上               |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图一 易有太极合一贯之道图○○      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图二 太极之一化圆图象天图○       |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图三 太极之二生两仪为一贯之始图○    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图四 圆图太极生两仪象天地图○○     |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图五 太极之三生两仪四象图○       |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图六 圆图太极两仪生四象合天地图○○   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图七 太极圆图天地交错为一贯图○○    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图八 太极阳包乎阴象地处天中图○○    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图九 天包地为太极图○○         |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图十 北辰为天地统贯之所北辰即太极图○○ |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图一一 紫微垣即太极图○○        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图一二 北辰执中而治图○○        |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 图解                   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |   |  |  |  |  |
| 25                   | 25 | 24 | 24 | 22 | 22 | 20 | 19 | 18 | 17 | 17 | 16 | 16 | 15 | 15 |   |  |  |  |  |
| 14                   | 13 | 12 | 12 | 10 | 10 | 9  | 9  | 9  | 7  | 5  | 4  | 3  | 2  | 1  | 1 |  |  |  |  |

|                         |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 图一三 北辰居天心以星验中正图○○       |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一四 北极出地随时处中图○○         |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一五 北辰为太极即人心图○○         |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一六 北辰以斗柄为用其心时贯于周天之中图○○ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一七 天心以仁贯四德图○○          |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一八 众星共辰物物共有一太极图○○      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图一九 天行健以中星为主物物各有一太极图○○  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二〇 经星出没各适其中无过不及图○○     |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二一 经星考时验中与北极同图○○       |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二二 天地有日月为太极生两仪图○○      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二三 日月为易定命名之义图○○        |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二四 日月十二次为阴阳交会之所图○○     |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二五 黄赤道居南北极之中日月与时偕行图○○  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二六 日出入赤道与北辰合时中图○○      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二七 日月朔望对待会合与易随时变通图○○   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图二八 月行九道与北辰合时中图○○       |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 图解                      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|                         |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|-------------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 图二九 日月行四时成四象图○○         |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三〇 支辰分野见天地同一太极图○○      |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 卷二 元集下                  |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三一 天地有自然易图             |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三二 天象生五行为造化之原图○        |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三三 月受日光为画卦之原图○         |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三四 八卦纳甲取象日月合先天之位图○     |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三五 日月四象合老少阴阳四时五行生八卦图○○ |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四一 天生河图起于一合一贯之道图○      |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四二 河图中心即北极图○○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四三 河图中心即北极图○○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三六 日月生八卦合太极方位图○○       |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三七 日月生八卦俱贯于太极内图○○      |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三八 纳甲分六十四卦图○○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图三九 日月生十二辟卦内含六十四卦全数图○○  |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四〇 十二辟卦贯于太极图○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四一 天生河图起于一合一贯之道图○      |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四二 河图中心即北极图○○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四三 河图中心即北极图○○          |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 图四四 天地之数成河图从一起图○○       |    |    |    |    |    |    |    |    | 图解 |
| 图解                      |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
| 72                      | 71 | 71 | 70 | 70 | 69 | 69 | 68 | 68 | 63 |



|    |                         |  |    |    |    |                     |  |     |     |
|----|-------------------------|--|----|----|----|---------------------|--|-----|-----|
| 图解 | 图六一 周子五行配邵子阴阳老少与河图贯图○○  |  | 91 | 89 | 图解 | 图六九 四象生六十四卦图○       |  | 99  | 99  |
| 图解 | 图六二 河图四象以中宫五十相减生八卦图     |  | 92 | 91 | 图解 | 图七〇 八卦成六十四卦圆图象天图    |  | 100 | 99  |
| 图解 | 图六三 洛书生八卦与太极四象纳甲贯图      |  | 93 | 92 | 图解 | 图七一 八卦成六十四卦方图象地图    |  | 101 | 100 |
| 图解 | 图六四 河图四象以中宫五数相加生八卦图○○   |  | 94 | 93 | 图解 | 图七二 太极两仪四象化横图为圆生八卦图 |  | 102 | 101 |
| 图解 | 图六五 太极单圆两仪合河图纳甲生卦为一貫图○○ |  | 95 | 94 | 图解 | 图七三 一卦加八卦以乾为例图○     |  | 102 | 102 |
| 图解 | 图六六 八卦横图象太极之—图○         |  | 95 | 94 | 图解 | 图七四 一卦变六十三卦以屯为例图○○  |  | 103 | 103 |
| 图解 | 图六七 八卦圆图象太极之圆图          |  | 96 | 95 | 图解 | 图七五 一卦变六十三卦以乾为例图○   |  | 104 | 103 |
| 图解 | 图六八 八卦横图起于—生六十四卦图       |  | 97 | 96 | 图解 | 图七六 先天八卦方位图         |  | 105 | 106 |

|     |                      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|-----|----------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 图解  | 图七七 先天八卦竖图定上下之分图○○   |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 106 |
| 图解  | 图七八 先天八卦次序合周天之象图○○   |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 107 |
| 图解  | 图七九 先天八卦变后天八卦以中为正图○○ |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 107 |
| 图解  | 图八〇 后天八卦次序与先天分体用图○○  |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 108 |
| 图解  | 图八一 后天八卦与河图贯图○○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 108 |
| 图解  | 图八二 后天八卦与洛书贯图○○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 109 |
| 图解  | 图八三 后天乾元四阳卦生四象配纳甲图○○ |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 110 |
| 图解  | 图八四 后天乾元四阳象生八卦配纳甲图○○ |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 111 |
| 115 | 114                  | 114 | 113 | 113 | 113 | 112 | 111 | 111 | 110 | 110 | 108 | 108 | 107 |

|        |                        |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|--------|------------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 图解     | 图八五 后天八卦圆图象天图○○        |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 115 |
| 图解     | 图八六 后天六十四卦圆图象天图○○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 116 |
| 图解     | 图八七 后天六十四卦横图象——图○○     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 117 |
| 图解     | 图八八 天地日月星辰错综为八卦序卦张本图○○ |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 118 |
| 卷三 亨集上 |                        |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 119 |
| 图解     | 图八九 伏羲画卦用错象天地日月配偶图○○   |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 119 |
| 图解     | 图九〇 文王序卦用综象天地日月上下图○○   |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 120 |
| 图解     | 图九一 不综八卦图○○            |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     | 121 |
| 122    | 122                    | 121 | 121 | 120 | 120 | 119 | 119 | 119 | 118 | 118 | 117 | 117 | 116 |

**图九一 文王序卦反乘象天地日月上下图○**

图解

123

**图九三 不乘八卦图**

图解

124

**图九四 序卦四正不易分上下经图○**

图解

125

**图九五 序卦四隅反易成为易图○**

图解

126

**图九六 八卦相乘成序卦图○○**

图解

127

**图九七 先天变后天成序卦图○○**

图解

128

**图一〇四 阳阴分变成互卦图**

图解

129

**图一〇五 阴阳合变成互卦图**

图解

130

**图一〇六 上爻皆互合论语独言大过图○**

图解

131

**图一〇〇 序卦与系辞九卦贯图**

图解

132

**图一〇一 象传言来十九卦见序卦反易之理图○**

图解

133

**图一〇三 孔子互卦用中象天地日月时中图○**

图解

134

**图一〇四 阳阴分变成互卦图**

图解

135

**图一〇五 阴阳合变成互卦图**

图解

136

**图一〇六 上爻皆互合论语独言大过图○**

图解

137

**图一〇七 太极生十二消息卦图○○**

图解

138

**图九九 纳甲相连成序卦图○○**

图解

139

图解

140

图一〇八 十二卦消息象四仪图○○

图解

图一六 卦气贯七十二候以时为定图○

图解

图一〇九 乾坤六爻为十二消息图○○

图解

图一七 上下系配卦气图○

图解

图一一〇 六十四卦与时消息图○○

图解

图一八 太玄以中准中孚与时中贯图○

图解

图一一一 六十四卦消息兼错综图○○

图解

图一九 纳音配六十四卦合时字图

图解

图一一二 消息卦以太极居中见阴阳配合图○

图解

图一二〇 六十四卦贞辰图与时中贯图

图解

图一一三 卦气起中孚与时中贯图○

图解

图一二一 乾坤主岁合以阴从阳之道图

图解

图一一四 卦气验日永短贯四时图○

图解

图一二二 否泰主岁合乾坤图

图解

图一一五 八卦主二十四气以时为定图○

图解

图一二三 爻辰应二十八宿见众星共辰图

图解

152 152 150 150 148 148 147 147 146 146 143 143 142 142 141 141

|                      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  |     |  |
|----------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|--|-----|--|
| 图一二四 阴阳升降得二五之中与时中贯图○ |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一二五 洞极经配太极之一图○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 卷四 亨集下               |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一二六 龙图应二十四气与时中贯图    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一二七 经世天地人四象合三极图     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一二八 辟卦应一元从时起图○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一二九 少阴积数成六十四从一起图    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三〇 先天图配卦气与时中贯图     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三一 潜虚应河图数即太虚图      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三二 洪范皇极图以中为主图○     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三三 老阳应洛书九位从一起图     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三四 六琯验卦气以时为定图○○    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三五 迎日推策与大衍贯图○      |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三六 归奇象闰以时为定图       |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三七 闰年合爻数图○         |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三八 天地节而四时成图○       |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 图一三九 八卦分四时只兑言秋图○     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |  | 图解  |  |
| 174                  | 173 | 173 | 172 | 172 | 170 | 170 | 168 | 168 | 167 | 167 | 167 | 166 | 165 | 164 | 164 |  | 174 |  |